have also materially assisted several States in successfully conducting the campaign against the locusts whenever the need for such assistance arose. May I know how many rupees worth of assistance has been given to the States?

DR. P. S. DESHMUKH: I have not got the value of the assistance given in rupees but I know, whenever we received any intimation from any State Government, we have given them very adequate help in the shape of sending the planes that we may have.

SHRI M. VALIULLA: It is stated that we are having the assistance of foreign governments for this purpose. May I know whether they also share the expenditure incurred in this oehalf?

DR. P. S. DESHMUKH: Excepting the T.C.A. which sometimes assists us by giving some technicians and insecticide, etc., no foreign Government is assisting us. It is more international co-ordination that is intended.

सूर्य गृहण

*५६. **श्री नवाबसिंह चौंहान :** क्या **संचार** मंत्री **यह** बतानें की कृपा करेंगें कि भारतीय वैंज्ञानिकों का जों दल डिप्टी डाइरॅक्टर जनरल, आबजरवेंटरीज़, श्री ए० कें० दास कें नेंतृत्व में २० जून १६५५ को सूर्य-गृहण सम्बन्धी खोंज कें लिए भेंजा गया था वह निरीक्षण कें पश्चात् किन निर्णयों पर पहुंचा ?

f [SOLAR ECLIPSE

•56. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will th,e Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state the conclusions arrived at, after observation of the Solar Eclipse on the 20th June 1955, by the team of Indian scientists deputed for the purpose under the leadership of Shri A. K. Das, Deputy Director-General of Observatories?]

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर): सूर्य-गृहण के सम्बन्ध में भारतीय वैंज्ञानिकों द्वारा २० जून १६५५ कों सीलांन में लिए गए अवलोंकनों (Observations) का अध्ययन हों रहा हैं और अवलोकन सम्बन्धी एकत्रित सामगृी का पूर्णरूप सें विश्लेंषण हों पानें में अभी कुछ समय लगेंगा । उस पुस्तिका की एक प्रतिलिपि, जिसमें विश्लेंषण कें परिणाम अंकित होंगें, प्रकाशित होतें ही राज्य सभा कें पटल पर प्रस्तुत कर दी जाएगी।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR) : The observations on the Solar Eclipse of the 20th June 1955 made in Ceylon by the Indian scientists are being studied and it will take some time to analyse fully the observational data collected. A copy of the publication containing the results of the analysis will be laid on the Table of the Rajya Sabha, as soon as it is ready.]

श्री नवाब सिंह चौंहान : क्या मंत्री महोदय मेंहरबानी कर कें बताएंगें कि इसमें कितनें व्यक्ति गए थें और उनकी क्या क्या योंग्यताएं थीं ?

श्री राज बहादुर : सब कें सब अपनें अपनें विषय कें विशेषज्ञ थें और उनकी संख्या ७ थी।

श्री ज० रा० कपूर : क्या यह बात सत्य हैं कि इन वैंज्ञानिकों कें पास विद्युत शक्ति उत्पादन के पर्याप्त साधन न होंनें कें कारण यें गृहण की आवश्यक तसवीरें नहीं लें सकें ?

श्री राज बहादुर : एंसी कोई कठिनाई अपनी जानकारी में नहीं आई हैं।

श्री ज० रा० कपूर : क्या सरकार का ध्यान इस ओर गया हैं कि यह शिकायत समाचारपत्रों में प्रकाशित हुई, किन्तु उसका कोई खंडन अभी तक सरकार की ओर सें नहीं हुआ ?

श्री राज बहादुर : जों समाचारपत्रों में निकला था वह इस सम्बन्ध में निकला था कि उन्होंनें

fEnglish translation.

अपना स्थान बजाय हिंगुरकगोडा (Hingurakgoda) के सिगोरिया (Sigoria) पर क्यों नहीं जमाया जहां कि एक दूसरी अमेरिकन टीम ने जमाया था। यह जो आलोचना निकली है वह अधिक सार नहीं रखती।

श्री ज० रा० कपूर: यह आलोचना भी तो निकली थी कि विद्युतशक्ति उत्पादन के पर्याप्त साधन उन लोगों के पास नहीं थे?

श्री राज बहादुर: इन लोगों के जाने से पहले अप्रैल में ही डा० दास, जो कि इस टीम के नेता थे, सीलोन गए थे और उन्होंने विद्युत के साधन स्थानीय सरकार से प्राप्त कर लिये थे।

श्री कन्हैयालाल दा० वैद्य : क्या मंत्री महोदय बतायें की कृपा करेंगे कि सब साइंटिस्ट्स भारतीय ही थे या विदेशी भी थे?

श्री राज बहादुर: जहां तक मेरी जानकारी है भारतीय टीम में सभी भारतीय साइंटिस्ट्स थे।

श्री नवाब सिंह चौहान: क्या यह सच है, जैसी कि अखबारों में सूचना निकली थी, कि बादल के आ जाने की वजह से ये साइंटिस्ट्स कोई निरीक्षण नहीं कर सके और वे वापस आ गए?

श्री राज बहादुर : इसमें पांच प्रकार के आबजरवेशंस होते हैं। आपटिकल (optical)j स्पेक्ट्रो फोटोमेट्रिकल (spectro photornetrical)> एस्ट्रोनामिकल (astronomical) , आइनोस्फेरिकल (ioncspherical), जयोमैगनेटिक (geamagnetic) I

श्री व्य० कृ० ढगे: इसके लिए हिन्दी क्या है?

श्री राज बहादुर: हिन्दी में इनका पर्यायवाची अभी मुझे मालूम नहीं है, मुझे खेद है। अगली दफा में कोशिश कर के बताऊंगा लेकिन जब उनको बताऊंगा तो वे भी इतने ही समझ में नहीं आएंगे। आपटिकल से मतलब है कि जो आंखों से देखा जा सके, स्पेक्ट्रो फोटोमेट्रिकल का मतलब है कि जो स्पेक्ट्रम होता है......

MR. CHAIRMAN: That will do.

भारत और पाकिस्तान के बीच रेलों का चलना

*५७. **श्री नवाब सिंह चौहान**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत और पाकिस्तान के बीच रेल यातायात के लिए दोनों देशों के बीच अभी हाल के हुए समझौते की शर्तें क्या हैं और इसके अन्तर्गत कौन सी नई और पुरानी लाइनें चलाई जायेंगी; और

(ख) उन रास्तों पर कौन सी रेलें चलने लगी हैं?

†[TRAIN SERVICES BETWEEN INDIA AND PAKISTAN

*57. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the terms of the agreement recently entered into between the Governments of India and Pakistan for rail traffic between the two countries and the names of the old and new rail routes to be operated thereunder; and

(b) the trains which have already commenced running on those routes?]

रेल तथा परिवहन उपमंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन): (क) और (ख). सूचना का विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) भारत और पाकिस्तान के बीच रेल-यातायात के बारे में जो समझौता हुआ उसकी खास-खास बातें इस प्रकार हैं :—

(१) १ जून १९५५ से पश्चिमी पाकिस्तान से नीचे दी हुई लाइनों पर रेल-यातायात शुरू किया जाए :—

†English translation.